[12] SEAT No._____ No. of Printed Pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A. IInd Semester EXAMINATION

Wednesday, 20 March 2019

10-00 a.m.to 1-00 p.m.

PA02CHIN22 : Hindi

(कथासाहित्य)

पूर्णांक : 70

प्रश्न-1. 'कर्मभूमि' उपन्यास में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कर्मभूमि' उपन्यास के आधार पर अमरकान्त का चरित्र चित्रण कीजिए। (17)

प्रश्न-2. 'काला पादरी' उपन्यास में वर्णित आदिवासी समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'सलाम' कहानी की मूल संवेदना को उजागर कीजिए। (17)

प्रश्न-3. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए- (18)

अ. लहना सिंह

अथवा

अ. 'कर्मभूमि' की उपन्यास की भाषाशैली

ब. 'काला पादरी' उपन्यास का जेम्स खारवा

अथवा

ब. 'कफन' कहानी की मुल संवेदना

प्रश्न-4. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। (18)

क. "कई तरह के सिंह थे जो जंगलों में ही नहीं अपनी कोठियों के बंद कमरों में भी शिकार किया करते थे।"

अथवा

(P.T.O.)

क. "बेचारे एक तो गरीब , ऋण के बोझ से दबे हुए, दूसरे मूर्ख, न कायदा जानें न कानून। महंत जी जितना चाहे इज़ाफा करें, बेदखल करें, किसी में बोलने का साहस न था। अक्सर खेतों का लगान इतना बढ़ गया था कि सारी उपज लगान के बराबर भी न पहुँचती; किन्तु लोग भाग्य को रोकर, भूखे-नंगे रहकर, कुत्तों की मौत मरकर, खेत जोतते थे।"

ख. "किसी को सताया नहीं किसी को दबाया नहीं। मरते मरते हमारी जिन्दगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गई। वह न बैकुण्ठ जायेगी तो क्या मोटे-मोटे लोग जायेंगे, जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटतेहैं, और अपने पाप को धोने केलिए गंगा में नहाते हैं और मन्दिरों में जल चढ़ाते है?"

अथवा

ख. "आठ नहीं, दस लाख। एक एक अकालिया सिख सवा लाख के बराबर होता है। चले जाओ।"

— X —

(2)